सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

९वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र: 2026-27

कक्षा:-6	विषय:हिन्दी	पाठ-9-खिलौना

बोलकर

(क) शिशु राजकुमार इसलिए मचल गया, क्योंकि वह उस खिलौने को लेना चाहता था जिसको बालक रास्ते में पुचकार रहा था और उससे खेल रहा था।

(ख) दास दासियों ने बालक को यह कहकर समझाना चाहा कि वह खिलौना तो मिट्टी का होगा। तुम तो इस सोने के खिलौने से खेलो।

(ग) खिलौना न मिलने पर दीना के पुत्र ने अपना मिट्टी का खिलौना, जो कि एक गुड्डा था, उसे तत्काल मिट्टी में फेंक दिया।

(घ) कवि ने बच्चों की बाल भावना को दर्शाया है कि बच्चों को हमेशा दूसरों की चीजें पसंद आती है। उन्हें इससे मतलब नहीं कि वह चीज़ सस्ती है या महँगी।

लिखकर

लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर-

(क) माँ इसलिए दुखी थी क्योंकि उसका बच्चा जिस खिलौने के लिए मचल रहा था वह सोने का खिलौना था। उसने बच्चे को बहलाना चाहा कि तेरे जैसा खिलौना तो राजा के घर में भी नहीं है।

(ख) माँ के बहलाने पर पुत्र ने जवाब दिया कि माँ राजा का पुत्र इस मिट्टी के खिलौने से क्यों खेलना चाहेगा?

(ग) राजा के घर में दास दासियाँ सब राजपुत्र को चुप कराने के लिए दौड़ पड़े। क्योंकि राजपुत्र मिट्टी के खिलौने के लिए मचल रहा था और रो रहा था।

(घ) राजपुत्र ने क्रोधित होकर अपने सोने और चांदी के सारे उपहार फेंक दिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर-

(क) यदि हम दीना के बेटे की जगह होते तो हम भी उसके बेटे की तरह ही सोने के खिलौने के लिए मचल जाते, क्योंकि यह बच्चों का स्वभाव है कि उन्हें दूसरों की चीजें ज्यादा पसंद आती हैं।

(ख) अमीरी और गरीबी के बीच सबसे बड़ा अंतर धन-दौलत का होता है, जिसकी वजह से दोनों के रहन-सहन, खान-पान आदि हर चीज़ में बदलाव आ जाता है।

(घ) हाँ, अमीर और गरीब दोनों बच्चों की इच्छा एक जैसी होती है। उन्हें जो चीज़ पसंद आ जाए वह उसके लिए मचल उठते हैं। चाहे वह चीज सस्ती हो या महँगी, उन्हें इससे कोई मतलब नहीं होता।

क) कवि- सियाराम शरण गुप्त,

कविता - खिलौना

(ख) यह बात राजपुत्र अपने दास दासियों से कह रहा है।

(ग) इन पंक्तियों में 'वह' सर्वनाम का प्रयोग दीना के पुत्र के लिए हुआ है।

(घ) राजकुमार मिट्टी के खिलौने से खेलना चाहता था, जो दीना के पुत्र के हाथ में था।